भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 607

(दिनांक 23.07.2025 को उत्तर देने के लिए)

दक्षिण भारतीय भाषाओं के चैनलों को प्रोत्साहित करना

607. **डॉ. बायरेड्डी शबरीः**
श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टीः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों में देश में डीडी फ्री डिश में देखी गई प्रवृत्तियों सहित इसके ग्राहकों की संख्या का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) डीडी फ्री डिश के माध्यम से प्रसारित सरकारी कार्यक्रमों और उनके दर्शकों की संख्या का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार दक्षिण भारत में डीडी फ्री डिश के विस्तार में आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करती है और यदि हां, तो इन चुनौतियों को बढ़ाने वाले विशेष कारकों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) दक्षिण भारतीय भाषा चैनलों को डीडी फ्री डिश पर स्लॉट सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं और इन उपायों से प्राप्त परिणाम क्या हैं?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (घ): डीडी फ्री डिश, प्रसार भारती का फ्री-टू-एयर (एफटीए) डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) प्लेटफॉर्म है। इसका विस्तार पूरे देश में है, जिसमें दूरदराज, सीमावर्ती और अन्य दुर्गम क्षेत्र भी शामिल हैं।

डीडी फ्री डिश पर सरकार की प्रमुख योजनाओं और जन जागरूकता अभियानों को दूरदर्शन के विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चैनलों पर कार्यक्रमों के माध्यम से प्रसारित किया जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में इसकी पहुँच में लगातार वृद्धि हुई है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024 तक डीडी फ्री डिश ने देश भर में लगभग 49 मिलियन घरों तक पहुँच बनाई है। वर्ष 2018 में यह आँकड़ा 33 मिलियन था, जो दर्शकों की सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है।

सरकार ने डीडी फ्री डिश पर दक्षिण भारतीय भाषा के चैनलों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए विभिन्न अग्र-सक्रिय कदम उठाए हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- बेहतर क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के लिए, डीडी फ्री डिश प्लेटफॉर्म की ई-नीलामी में दक्षिण भारतीय भाषा चैनलों के लिए स्लॉट आरक्षित किए गए (वर्ष 2025 में)।
- दक्षिणी क्षेत्र में प्राइवेट प्रसारकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पात्रता मानदंडों को सरल बनाया गया है।

- इसके अलावा, हाल ही में हुई ई-नीलामी में तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम चैनलों के लिए समर्पित स्लॉट की पेशकश की गई थी।
- तीन अतिरिक्त दक्षिण भारतीय भाषाओं के प्राइवेट चैनल अर्थात टीवी9 तेलुगु, आस्था कन्नड़ और आस्था तेलुगु को दिनांक 01.04.2025 से डीडी फ्री डिश पर शामिल किया गया है।

दूरदर्शन के अपने क्षेत्रीय चैनलों जैसे डीडी तमिल, डीडी सप्तगिरि, डीडी चंदना, डीडी यादगिरि और डीडी मलयालम को भी इसमें शामिल किया गया है। चैनलों का विस्तार करने के लिए उन्हें तकनीकी रूप से उन्नत और बेहतर तरीके से प्रचारित किया जा रहा है।

इसके अलावा डीडी फ्री डिश पर 27 शैक्षणिक चैनल हैं, जो विभिन्न दक्षिण भारतीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित कर रहे हैं।

******